1

देव, तुम्हारे कई उपासक!

पाठ परिचय – प्रस्तुत कविता कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा लिखी गई है। इसमें कवयित्री यह वर्णित करना चाहती हैं कि ईश्वर की सच्ची आराधना मूल्यवान वस्तुओं से नहीं अपितु हृदयगत सच्ची भक्ति भावना द्वारा की जाती है। कवयित्री भिक्षुणी के रूप में प्रार्थना करती हैं कि हे ईश्वर बहुमूल्य वस्तुएँ, फूल मालाएँ तथा मुक्तामणि इत्यादि भेंट चढ़ाने के लिए मेरे पास कुछ भी नहीं है। मेरा हृदय आपकी भक्ति–भावना से पूर्ण है। मैं इसे आप पर भेंट चढ़ाती हूँ। यह आपकी इच्छा है कि आप इसे ग्रहण करें या त्याग दें।

1. व्याकरणिक परिचय–

(क) निम्नलिखित शब्दों के अनेकार्थी शब्द लिखिए–

कर – ....   हार – ....

मन – ....   स्वर – ....

धूप – ....

(ख) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

देव – ....   फूल – ....

प्यासी – ....   स्वीकार – ....

प्रेम – ....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) प्रस्तुत कविता में किसने, किसके हृदय के भाव प्रकट किए हैं?

....

(ख) मंदिर में लोग किस ढंग से उपासना करने जाते हैं?

....

(ग) 'मैं ही हूँ गरीबन ऐसी जो कुछ साथ नहीं लायी' द्वारा कवयित्री क्या कहना चाहती हैं?

....

(घ) वाणी में कैसा चातुर्य नहीं है?

....

(ङ) पुजारिन स्वयं को किस रूप में प्रस्तुत करती है?

....

3. (क) निम्नलिखित पंक्तियों का भाव-सौंदर्य लिखिए-

‘धूप-दीप नैवेद्य नहीं है झाँकी का श्रृंगार नहीं हाय!
गले में पहनाने को फूलों का भी हार नहीं।’

....

....

....

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों में आए अनुप्रास अलंकार रेखांकित कर सामने लिखिए-

(i) मुक्तामणि बहुमूल्य वस्तुएँ लाकर तुम्हें चढ़ाते हैं। ....

(ii) कैसे करूँ कीर्तन मेरे स्वर में है माधुर्य नहीं। ....

(iii) पूजा और पुजापा प्रभुवर इसी पुजारिन को समझो ....

(iv) दान-दक्षिणा और निछावर इसी भिखारिन को समझो ....

4. आओ सीखें-

(क) कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो समानार्थी या पर्यायवाची शब्द होते हैं परन्तु उनमें सूक्ष्म अर्थ भेद होता है। जैसे- ‘आज्ञा’-‘अनुमति’। ‘आज्ञा’-बड़ों द्वारा छोटों को दी जाती है। ‘अनुमति’-छोटों द्वारा प्रार्थना करने पर बड़ों द्वारा दी गई सहमति।

(ख) निम्नलिखित समानार्थी शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए-

अस्त्र – .... शस्त्र – ....

बहुमूल्य – .... अमूल्य – ....

प्रेम – .... स्नेह – ....

5. रचनात्मक गतिविधि-

(क) अपने विद्यालय की प्रार्थना याद करके कक्षा में सुनाइए।

(ख) ‘भक्ति में शक्ति है।’ विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

....

....

....

....

....

....